AGRAWAL EXAMCART

Paper Pakka Fasega!

DSSSB

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

TGT

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक

हिन्दी

Tier 1 (Section B) सम्बंधित विषय

Best Practice book!

इन प्रैक्टिस सैट्स को लगाने से 90% तक अपनी परीक्षा की तैयारी का सटीक आकलन कर पाऐंगे।

10 प्रैक्टिस सैट्स

एवं

03 सॉल्व्ड पेपर (2018 & 2014)

3 Free Online Mock Tests

ANDROID APP ON Google Play

(अंदर दिए गए निर्देशानुसार हमारी Android App पर try करें)

Code	Price	Pages
CB714	₹ 69	94

DSSSB

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

TGT

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक

हिन्दी

Tier 1 (Section B) सम्बंधित विषय

Prepared by:

Examcart Experts

AGRAWAL GROUP OF PUBLICATIONS

EduCart | Agrawal Publications | AGRAWAL EXAMCART

Book Name	DSSSB TGT (Section B) हिन्दी
Editor Name	Rahul Agarwal
Edition	Latest
Published by	Agrawal Group Of Publications (AGP)

© All Rights reserved.
ADDRESS (Head office)	28/115 Jyoti Block, Sanjay Place, Agra, U.P. 282002
CONTACT	quickreply@agpgroup.in We reply super fast
BUY BOOK	www.examcart.in Cash on delivery available
WHATSAPP (Head office)	8937099777
PRINTED BY	Schoolcart
DESKTOP PUBLISHING	Agrawal Group Of Publications (AGP)
ISBN	978-93-90587-45-2
© COPYRIGHT	Agrawal Group Of Publications (AGP)

Disclaimer: This teaching material has been published pursuant to an undertaking given by the publisher that the content does not in any way whatsoever violate any existing copyright or intellectual property right. Extreme care is put into validating the veracity of the content in this book. However, if there is any error found, please do report to us on the below email and we will re-check; and if needed rectify the error immediately for the next print.

ATTENTION

No part of this publication may be re-produced, sold or distributed in any form or medium (electronic, printed, pdf, photocopying, web or otherwise) on Amazon, Flipkart, Snapdeal without the explicit contractual agreement with the publisher. Anyone caught doing so will be punishable by Indian law.

इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा प्रकाशक के साथ स्पष्ट संविदात्मक समझौते के बिना अमेज़न, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील पर किसी भी रूप या माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक, मुद्रित, पीडीएफ, फोटोकॉपी, वेब या अन्यथा) में फिर से उत्पादित, बेचा या वितरित नहीं किया जा सकता है। जो कोई भी ऐसा करता हुआ पकड़ा जाएगा, वह भारतीय कानून द्वारा दंडनीय होगा।

AGP contributes Rupee One on every book purchased by you to the **Friends of Tribals Society** Organization for better education of tribal children.

यह पेज अवश्य पढ़ें।

(जानिए हम आपकी परीक्षा की तैयारी में कैसे मदद करते हैं)

कुछ ही वर्षों में Agrawal Examcart की पुस्तकें शिक्षकों और छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय हो गयी हैं। हमारे Subject Experts पुस्तकों की विषय सामग्री पर विशेष ध्यान देते हैं। परीक्षा के पठ्यक्रमानुसार पाठ्यपुस्तकों और गाइडबुक्स के माध्यम से हम आपको syllabus-wise सटीक और सरल भाषा में पुस्तकें प्रदान करते रहे हैं जिससे आपको कम समय में परीक्षा की तैयारी में मदद मिले। किसी भी परीक्षा सम्बन्धी practice set को तैयार करते समय, हमारा उद्देश्य यही रहता है कि आप अपनी परीक्षा की तैयारी का स्वयं मूल्यांकन 90% से अधिक सटीकता से कर सकें। यही कारण है कि प्रत्येक Practice set पिछले परीक्षा पैटर्न के अनुसार तैयार किया जाता है और इसमें बहुत अच्छे प्रश्नों का संग्रह होता है।

"हमारा उद्देश्य सिर्फ आपको पुस्तक उपलब्ध करना ही नहीं बल्कि आपके पुस्तक खरीदने से लेकर पुस्तक पूरा पढ़ने तक के सफर में हम आपके सारथि होंगे। इसीलिए हमने कुछ ऐसी सेवाएँ (नीचे दी गई) शुरू की हैं जिनकी मदद से हम आपकी सहायता कर पाएंगे।"

अपने Phone पर इस पुस्तक के संशोधित Updates प्राप्त करें!

हर बार जब हम इस पुस्तक में संशोधन या कोई भी नया update करेंगे तो उसकी जानकारी हम आपके Whatsapp Number पर भेजेंगे जिससे आपको इस बुक का नया संस्करण न लेना पड़े और आपको free में Updated Content मिल जाये। इसके लिए आपको नीचे दिए हुए फॉर्म को भरना होगा जिससे हम आपको Updated content भेज पाएं। ध्यान दें कि फॉर्म भरते समय Book Code सही डालें नहीं तो आपको किसी और बुक के Updates मिलेंगे।

इस पुस्तक का **Book Code: CB714**

Form link ☛ http://bit.ly/exmcrtrev or Scan Code ☛

Whatsapp Helpline No. (पुस्तक में गलती या परीक्षा सम्बंधित जानकारी)

परीक्षाओं से समबन्धित किसी भी तरह की जानकारी जैसे-पाठ्यक्रम, पेपर पैटर्न, सबसे अच्छी पुस्तकें, परीक्षा सम्बंधित महत्वपूर्ण Dates, किसी प्रश्न का हल एवं **हमारी पुस्तकों में किसी भी तरह की गलती पाए जाने पर हमारे whatsapp Helpline नंबर पर संपर्क करें**। हमारी Experts की Team आपको उससे सम्बंधित सही जानकारी उपलब्ध कराएगी।

Whatsapp number ☛ 8937099777 or Scan Code ☛

Join Telegram Group

Agrawal Examcart ने **Examcart Live** के नाम से एक नया **Telegram Group** शुरू किया है जिससे आपको कई तरह से परीक्षा की तैयारी में मदद मिलेगी

- नवीनतम परीक्षा का पूर्ण **Notification** और पाठ्यक्रम के **Updates** प्राप्त करें।
- नई परीक्षाओं से सम्बंधित best नवीनतम पुस्तकों के **Updates** प्राप्त करें।
- नई परीक्षाओं से सम्बंधित **Free Study material** प्राप्त करें।
- अपनी परीक्षा की तैयारी का परीक्षण करने के लिए **weekly practice problem sheet** प्राप्त करें।

Join us on Telegram: **☛ t.me/Examcartlive or Scan Code ☛**

Read & Practice Online

हमारी Android App और Website पर पढ़ने की जानकारी अगले पृष्ठ पर दी गयी है।

ANDROID APP ON
Google Play

App की विशेषताएं!!!

- एकमात्र app जिसमें आपको परीक्षाओं से सम्बंधित सभी contents नए पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न अनुसार up-to-date मिलेंगे।
- App पर Course को खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता जानने के लिए Free content दिया है |
- हमारे App पर 100 से अधिक परीक्षाओं पर courses आकर्षक मूल्य पर उपलब्ध हैं |
- App पर Online Quiz देते समय आपको वास्तविक online परीक्षा जैसा अनुभव प्राप्त होगा।

Examcart Android App को चलाने की जानकारी

Step 1: **Google playstore** से **Examcart** की **App** को **Download** करें। **Examcart App** को **Playstore** पर देखने का link **http://bit.ly/examcartapp2021**

Step 2: **Examcart App** में **login** करें और Category Section में जाके अपने **Exam** से सम्बन्धित **Course** को देखें |

हमारे **app** के **features** एवं उसकी कार्य प्रणाली को समझने के लिए **15 seconds का Tutorial** देखें।
http://bit.ly/exmcrtdemo

Laptop, Desktop या iphone Users के लिए

Step 1: Mobile या Laptop Browser पर www.examcart.sikhaoo.com टाइप करें।

Step 2: हमारे Course को use करने के लिए **Sign in** करें।

DSSSB (TGT) के पिछले वर्षों के हल प्रश्न–पत्र का विश्लेषण चार्च

हिन्दी

क्र.सं.	अध्याय	28-8-2018	28-8-2018	15-09-2018	15-09-2018	2014
1.	अपठित गद्यांश	5	5	5	5	—
2.	अपठित गद्यांश	—	—	8	3	—
3.	हिंदी साहित्य का इतिहास	15	25	31	22	39
4.	हिंदी साहित्य की अन्य विधाएँ	2	2	2	1	1
5.	हिंदी भाषा का विकास	3	6	3	3	14
6	भारतीय काव्य शास्त्र	1	2	3	1	2
7	शब्द शक्ति	1	1	—	—	—
8	अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत	—	1	1	—	1
9	हिंदी साहित्य : कवि, रचनाएँ एवं भाषा शैली	47	28	26	37	19
10	वर्ण–विचार	1	4	1	2	—
11	वर्तनी	1	2	—	1	—
12	हिंदी व्याकरण : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिर्या-विशेषण एवं अव्यय	1	5	3	5	—
13	शब्द विचार	1	1	—	3	2
14	अनेकार्थी शब्द	1	1	—	—	—
15	श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द	1	1	1	—	—
16	वाक्य : अंग, भेद, रचना, पदबंध	2	2	—	1	—
17	लिंग	—	—	—	—	1
18	वचन	—	—	—	1	—
19	कारक	—	—	—	1	—
20	वाच्य	—	—	—	1	—
21	संधि	1	1	1	2	—
22	समास	—	—	—	—	2
23	पर्यायवाची शब्द	1	1	2	—	1
24	विलोम शब्द	1	1	—	—	—
25	मुहावरे–लोकोक्तियाँ	2	1	—	—	1
26	वाक्यांश के लिए एक शब्द	—	—	1	—	2
27	रिक्त स्थानों की पूर्ति	—	—	—	—	3
28	रस	—	—	2	—	—
29	अलंकार	3	1	1	1	—
30	शिक्षाशास्त्र	10	10	10	10	12
	Total Questions	100	100	100	100	100

विषय-सूची

अध्याय **पृष्ठ संख्या**

सॉल्व्ड पेपर्स 1-20

- दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन आयोग प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (महिला वर्ग) परीक्षा, 2018 (15.09.2018) (द्वितीय पाली) हल प्रश्न-पत्र 1-7
- दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन आयोग प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (पुरुष वर्ग) परीक्षा, 2018 (28.08.2018) (द्वितीय पाली) हल प्रश्न-पत्र 8-14
- दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन आयोग प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक परीक्षा, 2014 (28.12.2014) हल प्रश्न-पत्र 15-20

प्रैक्टिस सेट्स 1-73

1.	**प्रैक्टिस सेट–1**	**1-8**
2.	**प्रैक्टिस सेट–2**	**9-16**
3.	**प्रैक्टिस सेट–3**	**17-23**
4.	**प्रैक्टिस सेट–4**	**24-31**
5.	**प्रैक्टिस सेट–5**	**32-38**
6.	**प्रैक्टिस सेट–6**	**39-45**
7.	**प्रैक्टिस सेट–7**	**46-52**
8.	**प्रैक्टिस सेट–8**	**53-59**
9.	**प्रैक्टिस सेट–9**	**60-66**
10.	**प्रैक्टिस सेट–10**	**67-73**

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन आयोग प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (महिला वर्ग) परीक्षा, 2018

हल प्रश्न–पत्र

परीक्षा तिथि : 15-09-2018 (द्वितीय पाली)

1. किनकी छत्रछाया में रहकर बालिका मीरा के हृदय में गिरधर गोपाल के प्रति अनन्य आस्था उत्पन्न हुई ?
(A) कर्नल टॉड (B) राव दूदा
(C) राव रत्न सिंह (D) मालदेव

1. (B) जब मीरा केवल दो वर्ष की थी तभी उनकी माता की मृत्यु हो गयी थी, तब उनके दादा राव दूदा उन्हें मेड़ता ले आये और उनका पालन–पोषण किया। वे एक योद्धा होने के साथ भक्त-हृदय व्यक्ति थे। इस प्रकार अपने दादा राव दूदा की छत्रछाया में रहकर मीरा के हृदय में गिरधर गोपाल के प्रति अनन्य आस्था उत्पन्न हुई।

2. किनका जन्म इटावा में 1673 ई. में हुआ था ?
(A) घनानन्द (B) देव
(C) भूषण (D) मतिराम

2. (B) 'देव' का जन्म सन् 1673 में इटावा में हुआ था। इनका पूरा नाम देवदत्त द्विवेदी था। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं– भाव विलास, भवानी विलास, सुख सागर तरंग, प्रेम-चंद्रिका, सुजान-मणि आदि।

3. इनमें से कौन-सी रचना घनानन्द की है ?
(A) काव्यमंजरी (B) इश्कलता
(C) रसभूषण (D) सरसरस

3. (B) 'घनानन्द' रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं। 'इश्कलता' घनानन्द द्वारा रचित है। इनकी अन्य रचनाएँ हैं–रस केलिवल्ली, घनानन्द कवित्त, जमुना-जस, सुजान हित प्रबंध।

4. श्रीचन्द और लक्ष्मीचन्द किनके दो पुत्र थे ?
(A) चन्दबरदाई (B) गुरु हरिचन्द
(C) गुरुनानक देव (D) संत लालदास

4. (C) गुरुनानक देव के दो पुत्र थे श्रीचन्द और लक्ष्मी चन्द थे। गुरुनानक सिखों के पहले गुरु हैं। इनके अनुयायी इन्हें बाबा नानक, नानक शाह तथा नानक देव के नाम से पुकारते थे।

5. कौन-सी कहानी निराला ने लिखी है ?
(A) पद्मा और लिली (B) रोज
(C) उन्मादिनी (D) गोधूलि

5. (A) 'पद्मा और लिली' कहानी सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' द्वारा लिखित है। 'रोज' कहानी के लेखक 'अज्ञेय' हैं। 'उन्मादिनी' 'सुभद्रा कुमारी चौहान' द्वारा तथा 'गोधूलि' 'जगदीश प्रसाद सिंह' द्वारा लिखित है।

6. रेवंतगिरिरास किसकी काव्यकृति है ?
(A) विजयसेन सूरि (B) जिनधर्म सूरि
(C) जिन विजय (D) सुमति गणि

6. (A) 'रेवंतगिरिरास' 'विजयसेन सूरि' की काव्य कृति है। इस कृति में तीर्थंकर नेमिनाथ की प्रतिमा तथा रेवंतगिरि तीर्थ का वर्णन है।

7. गदाधर भट्ट किस भाषा के सुप्रसिद्ध कवि थे ?
(A) अवहट्ट (B) संस्कृत भाषा
(C) ब्रजभाषा (D) प्राकृत

7. (C) गदाधर भट्ट ब्रजभाषा के सुप्रसिद्ध कवि थे। ये दक्षिणी ब्राह्मण थे। एक बार जीव गोस्वामी ने इनका एक पद 'श्याम रंग रंगी' सुनकर इन्हें वृंदावन बुलाया। यहाँ इन्होंने महाप्रभु चैतन्य का शिष्यत्व ग्रहण किया और उन्हीं के समान श्री मद्भागवत की कथा सुनाने लगे।

8. कौन-सा अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का खड़ी बोली में लिखा गया प्रथम महाकाव्य है ?
(A) स्वदेशी कुंडल (B) प्रियप्रवास
(C) काव्य-मंजूषा (D) अनुराग रत्न

8. (B) 'प्रिय प्रवास' की रचना 'अयोध्यासिंह उपाध्याय' ने 1914 ई. में की थी। यह हिन्दी खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है। इसे मंगला प्रसाद पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

9. 'रामरक्षास्तोत्र' किनके द्वारा रचित है ?
(A) श्री विष्णुस्वामी
(B) गोस्वामी तुलसीदास
(C) स्वामी रामानन्द
(D) श्री बल्लभाचार्य

9. (C) हिन्दी में 'रामरक्षास्तोत्र' स्वामी रामानंद द्वारा रचित है, जबकि संस्कृत में इसकी रचना 'बुद्ध कौशिक ऋषि' ने की है।

10. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी कब 'सरस्वती' के संपादक बने ?
(A) सन् 1913 (B) सन् 1903
(C) सन् 1905 (D) सन् 1900

10. (B) 'सरस्वती' पत्रिका का प्रकाशन इण्डियन प्रेस, प्रयाग से सन् 1900 में हुआ था तथा सन् 1903 में महावीर प्रसाद द्विवेदी इसके सम्पादक बने।

11. वर्षा–बिन्दु किसकी काव्यकृति है ?
(A) बालमुकुन्द गुप्त
(B) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
(C) जगमोहन सिंह
(D) प्रतापनारायण मिश्र

11. (B) 'वर्षा-बिन्दु' बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' द्वारा रचित कविता कोश है। इनकी अन्य रचनाएँ हैं– जीर्णजनपद, मयंक-महिमा, अलौकिक लीला, आनंद अरुणोदय, हार्दिक हर्षादर्श आदि।

12. गोस्वामी हितहरिवंश के दो हिन्दी ग्रंथ हैं–
(A) महावाणी, सिद्धांतरत्नांजलि
(B) हित चौरासी, स्फुटवाणी
(C) सेवक चरित्र, गीता चरित्र
(D) यमुनाष्टक, गीताष्टक

12. (B) 'गोस्वामी हितहरिवंश' राधाबल्लभ सम्प्रदाय के प्रवर्तक थे। हितचौरासी तथा स्फुटवाणी इनके हिन्दी में लिखित ग्रन्थ हैं। हित चौरासी की रचना इन्होंने ब्रजभाषा में की है।

13. 'नासिकेत पुराणभाषा' अष्टछाप के किस कवि की रचना है ?
(A) ध्रुवदास (B) नाभादास
(C) सूरदास (D) स्वामी नन्ददास

13. (D) 'नासिकेत पुराणभाषा' अष्टछाप के स्वामी नन्ददास की रचना है।

14. प्रगति-प्रयोग काल की समय-सीमा है–
(A) 1918-1938 ई. (B) 1938-1953 ई.
(C) 1900-1918 ई. (D) 1938-1963 ई.

14. (B) प्रगति-प्रयोग काल की समय सीमा 1938-1953 ई. है।

15. न्यामत खाँ जान की उल्लेखनीय कृति है–
(A) गदर (B) प्रद्युम्न चरित्र
(C) क्याम खाँ (D) राणा खाँरासा

15. (C) न्यामत खाँ जान की उल्लेखनीय कृति 'क्याम खाँ' है।

16. महादेवी का काव्य-रचना काल मुख्यतः कब से कब तक है ?
(A) सन् 1924 से 1942
(B) सन् 1918 से 1932
(C) सन् 1925 से 1952
(D) सन् 1936 से 1946

16. (A) महादेवी वर्मा का काव्य-रचना काल सन् 1924 से 1942 तक का है। सन् 1930 में निहार, 1932 में रश्मि, 1934 में नीरजा तथा 1936 में सांध्यगीत नामक कविता संग्रह प्रकाशित हुए थे।

17. चिश्ती संप्रदाय के दो उप-संप्रदाय के नाम हैं–
(A) वहबिया
(B) रजकिया
(C) हिशामी और हाजशाही
(D) सबिरि, निजामी

17. (D) चिश्ती सम्प्रदाय के दो उप-सम्प्रदाय के नाम 'सबिरि' तथा 'निजामी' हैं। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती ने भारत में चिश्ती सम्प्रदाय की नींव डाली थी।

18. किस कृति में प्रसाद ने यंत्र और तर्क पर आधारित समाज के चित्रण के साथ-साथ शैव दर्शन की अभिव्यक्ति भी की है ?
(A) उर्वशी (B) आँसू
(C) कामायनी (D) प्रेमपथिक

18. (C) कामायनी जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित हिन्दी भाषा का एक महाकाव्य है। यह इनकी अंतिम काव्य रचना थी, जो 1936 में प्रकाशित हुई। चित्तवृत्तियों का कथानक के पात्र के रूप में अवतरण इस काव्य की प्रमुख विशेषता है।

19. हिन्दी नाटक को साहित्यिक भूमिका प्रदान करने का प्रयास सर्वप्रथम किसने किया था ?
(A) लक्ष्मीनारायण मिश्र
(B) गंगाप्रसाद अरोड़ा
(C) जयशंकर प्रसाद
(D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

19. (D) हिन्दी नाटक को साहित्यिक भूमिका प्रदान करने का सर्वप्रथम प्रयास भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने किया। भारतेन्दु जी को नवजागरण का अग्रदूत माना जाता है। इन्होंने अपनी लेखनी से लोगों में अपनी संस्कृति व भाषा के प्रति प्रेम की अलख जगाने का प्रयास किया।

20. निर्मला उपन्यास में मुख्यतः किस बात का चित्रण है ?
(A) ग्रामीण स्थितियों का चित्रण
(B) दहेज प्रथा और वृद्ध विवाह से होने वाला पारिवारिक विघटन
(C) कृषक जीवन की समस्याओं का चित्रण
(D) मनोरंजन, पराधीनता, अशिक्षा का चित्रण

20. (B) निर्मला उपन्यास में मुख्यतः दहेज प्रथा व वृद्ध विवाह से होने वाले पारिवारिक विघटन को दर्शाया गया है। साथ ही निर्मला के माध्यम से भारत की मध्यवर्गीय महिलाओं की दयनीय स्थिति का चित्रण हुआ है।

21. 1963 में प्रेमचंद की जीवनी कलम का सिपाही, के नाम से लिखी गई थी। किसने लिखा थी ?
(A) राहुल सांकृत्यायन
(B) स्वामी दयानन्द सरस्वती
(C) रामविलास शर्मा
(D) अमृत राय

21. (D) प्रेमचंद की जीवनी 'कलम का सिपाही' के नाम से हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार तथा प्रेमचंद जी के पुत्र अमृत राय द्वारा लिखी गई थी। जिसके लिए सन् 1963 में इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

22. 'मुहु-मुहु कुहुकुहु कुहुकी कोयल'
इस पंक्ति में किस प्रकार के सौन्दर्य की छटा देखी जा सकती है ?
(A) रूप सौन्दर्य (B) नाद-सौन्दर्य
(C) चित्र सौन्दर्य (D) राष्ट्रीय सौन्दर्य

22. (B) 'मुहु-मुहु कुहु–कुहु कुहुकी कोयल' प्रस्तुत पंक्ति में नाद सौन्दर्य की छटा देखी जा सकती है। शब्दों का ऐसा प्रयोग जिससे कविता में किसी विशेष भाव या दृश्य में ध्वन्यात्मक प्रभाव उत्पन्न हो, उसे नाद सौन्दर्य कहते हैं।

23. 'मेरी यूरोप यात्रा' यात्रावृत्त की रचना किसने की थी ?
(A) राहुल सांकृत्यायन (B) शिवप्रसाद गुप्त
(C) रामनारायण मिश्र (D) जवाहरलाल नेहरू

23. (A) मेरी यूरोप यात्रा यात्रावृत्त की रचना राहुल सांकृत्यायन द्वारा की गयी थी। ये एक प्रतिष्ठित बहुभाषाविद् थे। इन्हें महापंडित की उपाधि प्रदान की गयी थी।

24. छायावाद युग के सबसे प्रमुख निबंधकार हैं–
(A) गुलाबराय (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) शांतिप्रिय द्विवेदी (D) शिवपूजन सहाय

24. (B) छायावाद युग के प्रमुख निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल हैं। ये एक प्रसिद्ध आलोचक भी थे। इनका प्रसिद्ध निबन्ध 'चिन्तामणि' तथा आलोचना 'त्रिवेणी' है।

25. निराला जी ने किस भाषा की शब्दावली का प्रचुर प्रयोग किया है ?
(A) फारसी की शब्दावली
(B) अंग्रेजी की शब्दावली
(C) संस्कृत की तत्सम शब्दावली
(D) अरबी की शब्दावली

25. (C) निराला जी ने संस्कृत की तत्सम शब्दावली का प्रयोग प्रचुर मात्रा में किया है। निराला जी ने अपनी रचना 'राम की शक्ति पूजा' में संस्कृत निष्ठ शब्दों का प्रचुर मात्रा में प्रयोग किया है।

26. 'मौत के खिलाफ' जिन्दगी की लड़ाई किस विधा की पुस्तक है ?
(A) रिपोर्ताज (B) जीवनी
(C) नाटक (D) रेखाचित्र

26. (A) 'मौत के खिलाफ' जिन्दगी की लड़ाई 'शिवदान सिंह चौहान' द्वारा लिखित रिपोर्ताज विधा की रचना है। यह हंस पत्रिका में प्रकाशित हुई थी।

27. न वह अच्छा है न बुरा
न वह कोमल है न सख्त
वह है सिर्फ शुद्ध वक्त। किसने कहा ?
(A) हरिवंशराय बच्चन
(B) मुक्तिबोध
(C) भवानी प्रसाद मिश्र
(D) दिनकर

27. (C) न वह अच्छा है न बुरा, न वह कोमल है न सख्त, वह है सिर्फ शुद्ध वक्त।' प्रस्तुत पंक्तियाँ भवानी प्रसाद मिश्र द्वारा कही गयी है।

28. कौन-सी पंक्ति हरिवंशराय 'बच्चन' जी की है ?
(A) वासना के पंक सी फैली हुई थी
(B) हिल उठते नभ के ओर छोर
(C) इस पार ये प्रिये मधु है, तुम हो
(D) न्योछावर स्वर्ग इसी भू पर

28. (C) 'इस पार ये प्रिये मधु है, तुम हो।' प्रस्तुत पंक्ति हरिवंशराय बच्चन द्वारा रचित 'इस पार उस पार' कविता से उद्धृत है।

29. केदारनाथ अग्रवाल की कौन-सी प्रगतिकालीन कविता है ?
(A) पांचाली (B) वसन्ती हवा
(C) मिट्टी की बरात (D) पाषाणी

29. (B) केदारनाथ अग्रवाल द्वारा रचित 'वसंती हवा' प्रगतिकालीन कविताओं की श्रेणी में आती है। इनके काव्य में लोक संवेदना व्यक्त हुई है।

30. डायरी के दो रूप क्या-क्या है ?
(A) व्याख्यात्मक तथा व्यंजनात्मक
(B) स्थानीयता, कल्पना प्रियता
(C) आत्मीय, मनोवैज्ञानिक
(D) व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ

30. (D) डायरी के दो रूप व्यक्तिनिष्ठ तथा वस्तुनिष्ठ हैं। डायरी लेखन का सम्बन्ध लेखक के हृदय से होता है। उसके अपने व्यक्तिगत अनुभव, विचार तथा समाज की स्थिति का आकलन करने के बाद जो शब्द हृदय से निकलने हैं, उसे सारांश रूप में संगृहीत करना ही डायरी लेखन कहलाता है।

31. नागार्जुन की भाषा क्या है ?

(A) ब्रज (B) अवधी

(C) खड़ी बोली (D) संस्कृत

31. (C) मुख्य रूप से नागार्जुन की भाषा खड़ी बोली किन्तु वह बहुभाषाविद् हैं, इसलिए उन्होंने अपने काव्य में विवध भाषाओं का प्रयोग किया है।

32. 'त्रिशंकु' निबन्ध किसने लिखा है ?

(A) निराला (B) भारतेन्दु

(C) रघुवीर सहाय (D) अज्ञेय

32. (D) 'त्रिशंकु' निबंध के लेखक अज्ञेय हैं। छोटे-छोटे विचार को गंभीर विषय बनाना और हर तरह से विशद् विचार विश्लेषण– फिर संश्लेषण करना अज्ञेय की निबन्ध कला की विशेषता है।

33. सन् 1925 ई. में कौन-सी पत्रिका आरंभ हुई ?

(A) मर्यादा (B) चाँद

(C) कल्याण (D) माधुरी

33. (C) सन् 1925 में कल्याण पत्रिका आरंभ हुई थी। इसके लेखक श्री गोपीनाथ जी हैं।

34. हिन्दी का एक पत्र साहित्य है–

(A) शैली पत्र (B) पत्र-पत्री

(C) चिट्ठी पत्री (D) कलापत्र

34. (C) 'चिठ्ठी पत्री' हिन्दी का एक पत्र साहित्य है।

35. 'जिंदगी मुस्कराई' किसका संस्मरण है ?

(A) कन्हैयालाल 'प्रभाकर'

(B) ब्रजबल्लभ शर्मा

(C) शांतिस्वरूप भटनागर

(D) महादेवी वर्मा

35. (A) 'जिन्दगी मुस्कराई' संस्मरण के लेखक 'कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर' हैं। इनकी अन्य रचनाएँ हैं– आकाश के तारे, धरती के फूल, बाजे पायलिया के घुँघरू, दीप जले शंख बजे आदि।

36. कवि न होऊ नहीं चतुर कहाऊँ
मति अनुरूप राम गुन गाऊँ,
ये किसकी पंक्ति हैं ?

(A) जायसी (B) तुलसीदास

(C) सूरदास (D) रसखान

36. (B) कवि न होऊ नहीं चतुर कहाऊँ
मति अनुरूप राम गुन गाऊँ।
प्रस्तुत पंक्तियाँ तुलसीदास द्वारा रचित रामचरित मानस से ली गई हैं। इन पंक्तियों का अर्थ है कि मैं न तो कवि हूँ न ही चतुर कहलाता हूँ, अपनी बुद्धि के अनुसार राम जी के गुण गाता हूँ।
तुलसीदास की अन्य रचनाएँ हैं– दोहावली, कवितावली, जानकीमंगल, विनय पत्रिका, पार्वतीमंगल, हनुमान चालीसा आदि।

37. प्रयोगवादी कवि भावुकता के स्थान पर किसको स्वीकार करते हैं ?

(A) कल्पना शक्ति को

(B) ठोस बौद्धिकता को

(C) सृष्टि की उन्मुक्तता को

(D) परंपरागत मूल्यों को

37. (B) प्रयोगवादी कवि भावुकता के स्थान पर ठोस बौद्धिकता को स्वीकार करते हैं। काव्यधारा के माध्यम से उन्हें जो नवीन सत्य की उपलब्धि हुई है उसे समष्टि तक पहुँचाना ही उनका लक्ष्य व प्रयोग है। वे भाव की उपेक्षा तथा शिल्प तथा वैचित्र्य विधान को अधिक महत्व देते हैं।

38. इनमें से कौन-सा रेखाचित्र रामवृक्ष बेनीपुरी का है ?

(A) कुंज बिहारी (B) कुल्ली भाट

(C) रेखाएँ बोल उठीं (D) माटी की मूरतें

38. (D) माटी की मूरतें रामवृक्ष बेनीपुरी द्वारा लिखित रेखाचित्र है। इनकी अन्य रचनाएँ हैं– मशाल, गेहूँ और गुलाब, चिता के फूल, मील का पत्थर, आम्रपाली, किसान मित्र, कर्मवीर आदि।

39. मात्रिक छन्दों में ही किसने समस्त काव्य की रचना की थी ?

(A) अज्ञेय (B) आमिर खुसरो

(C) केदारनाथ सिंह (D) सुमित्रानन्दन पंत

39. (D) सुमित्रानन्दन पन्त ने मात्रिक छंद में ही अपने समस्त काव्य की रचना की। पन्त ने काव्य में वर्णिक छन्दों की अपेक्षा मात्रिक छंदों को अधिक महत्व दिया है।

40. "मेरा क्षुद्र व्यक्तित्व
रूद्ध है, सीमित है,
आटा, दाल, नमक, लकड़ी के जुगाड़ में।"
रचनाकार कौन है ?

(A) मैथिलीशरण गुप्त (B) पंत

(C) नागार्जुन (D) प्रसाद

40. (C) "मेरा क्षुद्र व्यक्तित्व
रुद्र है, सीमित है,
आटा, दाल, नमक, लकड़ी के जुगाड़ में।"
प्रस्तुत पंक्ति नागार्जुन द्वारा रचित है।

41. मैथिलीशरण गुप्त की पहली काव्यकृति जो संवत् 1967 में प्रकाशित हुई थी, कौन-सी है ?

(A) रंग में भंग (B) प्रतिध्वनि

(C) शृंगार लहरी (D) कुंकुम

41. (A) मैथिलीशरण गुप्त की पहली काव्यकृति 'रंग में भंग' है जो संवत् 1967 में प्रकाशित हुई थी। मैथिलीशरण गुप्त की अन्य रचनाएँ हैं–
महाकाव्य– साकेत, यशोधरा
खण्डकाव्य– भारत-भारती, कुणाल गीत, युद्ध, झंकार, उर्मिला, लीला
नाटक– रंग में भंग, राजा-प्रजा, वन वैभव, वैतालिक, विरहिणी आदि।

42. भरतमुनि के कथनानुसार किस रस स्थायी को अभिनय में दिखाना संभव नहीं हैं ?

(A) शृंगार रस (B) वीभत्स रस

(C) शांत रस (D) हास्य रस

42. (C) भरतमुनि के अनुसार शांत रस को अभिनय में दिखाना संभव नहीं है।

43. कबीर के दूसरे गुरु कौन थे ?

(A) रामानुजाचार्य (B) शेख तकी

(C) आत्माराम (D) रामानन्द स्वामी

43. (B) कबीर पंथ में मुसलमान भी थे। उनका मानना था कि कबीर ने प्रसिद्ध सूफी मुसलमान फकीर शेखतकी से दीक्षा ली थी। इस कारण वे शेख तकी को कबीर का दूसरा गुरु मानते हैं। वास्तविकता में कबीर के गुरु संत रामानन्द जी थे।

44. जायसी की भाषा और शैली क्या है ?

(A) संस्कृत

(B) लोकभाषा, चित्रात्मक

(C) ठेठ अवधी, दोहा चौपाई

(D) ब्रज, कुंडल

44. (C) जायसी ने अपने काव्य में ठेठ अवधी भाषा का प्रयोग किया है और इनकी रचना शैली पर जैन कवियों की दोहा, चौपाई पद्धति का प्रभाव पड़ा है।

45. 'रासो' नाम किस शब्द से बना है ?

(A) राजस (B) रसायण

(C) रसोदन (D) रास

45. (B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार 'रासो' नाम 'रसायण' शब्द से बना है। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी रासो नाम की उत्पत्ति 'शासक' शब्द से मानते हैं।

46. 'सुजान रसखान' में किस विषय पर कवित्त सवैया है ?

(A) राम विषयक (B) प्रकृति विषयक

(C) कृष्ण विषयक (D) नारी विषयक

46. (C) सुजान रसखान में कृष्ण विषयक कवित्त सवैया है। रसखान द्वारा रचित सुजान रसखान में 139 छंद हैं। रसखान के काव्य का प्रमुख विषय कृष्ण भक्ति तथा प्रेम भावना है।

47. जैनेन्द्र कुमार का उपन्यास है–

(A) अप्सरा (B) विवर्त

(C) टूटे कांटे (D) लगन

47. (B) 'विवर्त' उपन्यास जैनेन्द्र कुमार की छठी औपन्यासिक कृति है। इसका प्रकाशन सन् 1953 में हुआ था। जैनेन्द्र कुमार के अन्य उपन्यास हैं– सुनीता, सुखदा, कल्याणी, त्यागपत्र, व्यतीत आदि।

48. डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी की विद्वता से प्रभावित होकर किसने उन्हें डी. लिट की उपाधि दी ?

(A) कलकत्ता विश्वविद्यालय

(B) आगरा विश्वविद्यालय

(C) दिल्ली विश्वविद्यालय

(D) लखनऊ विश्वविद्यालय

48. (D) सन् 1949 में लखनऊ विश्वविद्यालय ने आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी को डी. लिट की उपाधि प्रदान की थी।

49. जब बल्लभाचार्य से सूर की भेंट हुई तब उन्होंने किस प्रकार के पद सुनाए ?

(A) शृंगार संबंधी (B) हठयोग संबंधी

(C) विनय संबंधी (D) भक्ति संबंधी

49. (C) मथुरा के गऊघाट पर इनकी भेंट बल्लभाचार्य जी से हुई, वहीं उन्होंने बल्लभाचार्य जी को विनय संबंधी पद गाकर सुनाए।

50. इनमें से कौन-सी कृति मैथिलीशरण गुप्त की नहीं है ?

(A) प्रेमपथिक (B) चन्द्रहास

(C) त्रिपथगा (D) सिद्धराज

50. (A) हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद ने प्रेम पथिक लघु काव्य की रचना की। जयशंकर प्रसाद की अन्य काव्य रचनाएँ हैं–
झरना, आँसू, लहर, महाराणा का महत्व, कामायनी। अन्य विकल्पों में दी गई रचनाएँ मैथिलीशरण गुप्त की हैं।

51. कौन-सी रचना डॉ. रामविलास शर्मा की है ?

(A) बीसवीं शताब्दी (B) अंतिम आकांक्षा

(C) मौर्य विजय (D) प्रगति और परंपरा

51. (D) प्रगति और परंपरा निबन्ध के लेखक डॉ. रामविलास शर्मा हैं। इसका प्रकाशन सन् 1949 में हुआ था। इनकी अन्य रचनाएँ हैं– निराला, साहित्य और संस्कृति, आस्था और सौन्दर्य, निराला की साहित्य साधना।

52. बिहारी के दोहे पढ़ते ही महाराज की आँखें खुल गई, महाराज कौन थे ?

(A) राजप्रताप सिंह (B) जयसिंह

(C) उदय सिंह (D) गोपाल बहादुर सिंह

52. (B) जब बिहारी ने राजा जयसिंह की मोहनिद्रा भंग करने के लिए निम्नलिखित दोहा लिखकर उनके पास भेजा तब दोहा पढ़ते ही राजा की आँखें खुल गईं और वह पुनः कर्त्तव्य पथ पर अग्रसर हो गए।

दोहा :

नहिं पराग नहि मधुर मधु, नहि विकासु इहि काल।

अली कली ही सौं बँध्यौ, आगै कौन हवाल।।

53. 'पद्मावत' में किन तत्वों का प्रतिपादन किया गया है ?

(A) उदार, राष्ट्रीयता, वीरोचित तत्व

(B) भक्ति, ऋतु, उद्दीपन तत्व

(C) प्रकृति, साख्य तत्वों

(D) बुद्धि, रागात्मक, कल्पना तत्व

53. (D) पद्मावत में बुद्धि, रागात्मक, कल्पना तत्व के साथ लौकिक और अलौकिक का सुन्दर सम्मिश्रण प्रस्तुत किया है।

54. किसने केशव को इक्कीस ग्राम दान में दिए थे ?

(A) बोधा सिंह (B) इंद्रजीत सिंह

(C) मधुकर शाह (D) रामशंकर सिंह

54. (B) आचार्य केशव का जन्म ओरछा में हुआ था। केशव ओरछा नरेश महाराज रामसिंह के भाई इंद्रजीत सिंह के दरबारी कवि, मंत्री और गुरु थे। इंद्रजीत सिंह ने ही इन्हें इक्कीस गाँव दान में दिए थे।

55. मिथक के माध्यम से युग सत्य को सजीव, साकार रूप में प्रस्तुत करने वाले कवि हैं–

(A) विष्णु खरे (B) विद्यापति

(C) धर्मवीर भारती (D) पंत

55. (C) मिथक के माध्यम से युग सत्य को सजीव, साकार रूप में प्रस्तुत करने वाले कवि धर्मवीर भारती हैं। इनमें किसी भी घटना का सजीव चित्र उपस्थित कर देने की अद्भुत क्षमता विद्यमान है।

56. प्राकृत पैंगलम के संकलनकर्ता हैं–

(A) धनपाल (B) लक्ष्मीधर

(C) मेरुतुंग (D) हेमचन्द्र

56. (B) प्राकृत पैंगलम के संकलन कर्ता लक्ष्मीधर हैं।

57. दूसरे महायुद्ध के बाद अज्ञेय ने अपना एक मासिक पत्र चलाया। उसका नाम क्या था ?

(A) विद्रोह (B) युगांतर

(C) बोध (D) प्रतीक

57. (D) 1946 में सेना से लौटने के बाद पहले इलाहाबाद से फिर दिल्ली से प्रतीक नामक मासिक पत्र निकाला, जिसमें रघुवीर सहाय ने सहयोगी के रूप में उनका साथ दिया।

58. छायावादी कवि विश्व के संपूर्ण तत्वों में क्या देखते हैं ?

(A) राजनैतिक छाया

(B) समाजवादी छाया

(C) प्राणों की छाया

(D) जनमंगल की भावना

58. (C) छायावादी कवि विश्व के संपूर्ण तत्वों में प्राणों की छाया देखते हैं। छायावादी कवियों की प्रमुख विशेषता अभिव्यक्तिवाद है।

59. पृथ्वीराज रासो में प्रधान रस क्या है ?

(A) हास्य रस (B) शांत रस

(C) वीर रस (D) शृंगार रस

59. (C) पृथ्वीराज रासो हिन्दी भाषा में लिखा गया एक महाकाव्य है। इसके रचयिता चंदबरदायी हैं। यह एक वीर रस प्रधान महाकाव्य है।

60. नाभादास जी किस शाखा के प्रसिद्ध कवि हैं ?

(A) कृष्णभक्ति शाखा (B) ज्ञानमार्गी शाखा

(C) रामभक्ति शाखा (D) प्रेममार्गी शाखा

60. (C) नाभादास जी रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि हैं। ये तुलसीदास जी के समकालीन थे। नाभादास अग्रदास जी के शिष्य थे। 1596 ई. में इन्होंने 'भक्तमाल' नामक सर्वश्रेष्ठ ग्रन्थ की रचना की।

61. भोजन नली का अन्य नाम है–

(A) श्वासनली (B) भोजनानली

(C) ग्रासक (D) ग्रसिका

61. (D) भोजन नली का अन्य नाम 'ग्रसिका' होता है।

62. 'राजराज' का पर्यायवाची शब्द है ?

(A) मनोरथ (B) धनद

(C) राजसज (D) रसाल

62. (B) 'राजराज' का पर्यायवाची शब्द 'धनद' होगा।
राजराज के अन्य पर्यायवाची हैं– कुबेर, यक्षराज, धनाधिप, वित्तनाथ।

63. द्विजदेव की एक सरस रचना है–

(A) प्रेम पत्रिका (B) शृंगारिका

(C) विरह-बारिश (D) शृंगार लतिका

63. (D) द्विजदेव की एक सरस रचना का नाम 'शृंगार लतिका' है। द्विजदेव रीतिकालीन स्वच्छन्द मुक्तक काव्य परंपरा के अंतिम कवि हैं। 'शृंगार– बत्तीसी' भी इनके द्वारा रचित है।

64. 'दुनिया' संज्ञा का विशेषण रूप है–

(A) दुन (B) दुनियों

(C) दुनियावी (D) दुनिया

64. (C) विकल्प (C) में दिया गया 'दुनियावी' शब्द 'दुनिया' संज्ञा का विशेषण रूप है।

65. 'चांडाल चौकड़ी' का अर्थ है–

(A) विद्वानों का समूह (B) मूर्खों का समूह

(C) धनिकों का समूह (D) दुष्टों का समूह

65. (D) 'चांडाल चौकड़ी' मुहावरे का अर्थ है– 'दुष्टों का समूह'।
वाक्य प्रयोग– श्यामलाल जैसे ईमानदार व्यक्ति का इस चांडाल चौकड़ी में फँसना समझ नहीं आ रहा है।

66. प्रतिहार का अर्थ है–

(A) प्रत्याहार (B) निवारण

(C) पहरेदार (D) द्वारपाल

66. (D) 'प्रतिहार' का अर्थ 'द्वारपाल' होगा। द्वारपाल का आशय प्रवेश द्वार पर खड़े योद्धा से समझा जाता है।

67. व्यर्थ का संधि-विच्छेद होगा–

(A) व्य + थ + र (B) व्य + अर्थ

(C) वि + अर्थ (D) वी + अरथ

67. (C) 'व्यर्थ' का संधि विच्छेद वि + अर्थ होगा। 'व्यर्थ' शब्द में 'यण संधि' होगी। इ, उ, ऋ के बाद यदि कोई भिन्न स्वर आता है तो इ, ई का य्, उ, ऊ का व् तथा ऋ के बदले र् हो जाता है।

68. भोजपुरी बोली किस क्षेत्र में बोली जाती है ?

(A) आजमगढ़ (B) पटना

(C) दरभंगा (D) पूर्णिया

68. (A) भोजपुरी बोली आजमगढ़ में बोली जाती है। भोजपुरी बोली की उपभाषा बिहारी है।

69. शुक्ल जी ने आदिकाल की बारह रचनाओं का अपने इतिहास में उल्लेख किया, इनमें साहित्यिक पुस्तकें चार हैं। इनकी भाषा क्या है ?

(A) ब्रज (B) अवधी

(C) अपभ्रंश (D) संस्कृत

69. (C) आचार्य राम चन्द्र शुक्ल ने आदिकाल की बारह रचनाओं का अपने इतिहास में उल्लेख किया है। इनमें चार साहित्यिक पुस्तकें हैं जो 'अपभ्रंश' भाषा में लिखी गयी हैं।
उन पुस्तकों के नाम निम्नवत् हैं–
1. हम्मीर रासो
2. विजयपाल रासो
3. कीर्तिलता
4. कीर्तिपताका

70. 'हम' सर्वनाम के बाद 'ही' जोड़ने से होगा–

(A) हमें (B) हमही

(C) हमीं (D) हम ही

70. (C) 'हम' सर्वनाम के बाद ही जोड़ने से 'हमीं' शब्द बनेगा।

71. नमित-निमित्त श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द का अर्थ है–

(A) झुका हुआ-हेतु (B) हेतु-झुकना

(C) नमन-उत्सव (D) निमित्तमात्र-नमनम:

71. (A) नमित– निमित्त का श्रुतिभिन्नार्थक अर्थ है–
नमित– झुका हुआ
निमित्त– हेतु

72. पश्च स्वर है–

(A) ऐ (B) अ

(C) ई (D) ओ

72. (D) 'ओ' पश्च स्वर की श्रेणी में आता है। इसके अतिरिक्त अन्य पश्च स्वर हैं– उ, ऊ औ, ऑ, आ।
अग्रस्वर– इ, ई, ए, ऐ
मध्य स्वर– अ

73. 'खड़ी बोली' को सम्मिलित किया जाता है–

(A) पूर्वी हिंदी में (B) पश्चिमी हिंदी में

(C) बिहारी हिंदी में (D) राजस्थानी हिंदी में

73. (B) खड़ी बोली पश्चिमी हिन्दी के अन्तर्गत आती है। इसका अपभ्रंश रूप शौरसेनी है।

74. तुव प्रताप सम सूर्य है, जस-सम सोचत चंद। इसमें अलंकार है–

(A) उपमा (B) रूपक

(C) अपह्नुत (D) प्रतीप

74. (D) प्रतीप का अर्थ है– 'विपरीत'। जहाँ उपमान को उपमेय रूप में कल्पित किया जा सके वहाँ प्रतीप अलंकार होता है। अर्थात् कम को ज्यादा तथा ज्यादा को कम बताया जाता है।
उदाहरण– है तेरी तरवार-सी कालिंदी की धार।
यहाँ तलवार की धार की तुलना नदी की तेज धार से की जाती है, किन्तु यहाँ कालिंदी की धार (उपमान) को तलवार की धार (उपमेय) के समान बताया गया है।

75. 12 वीं तथा 13 वीं के मध्य अब्दुल रहमान की सुप्रसिद्ध रचना है–

(A) संदेशरासक (B) पउमचरिउ

(C) सूचनारसक (D) परमात्मा प्रकाश

75. (A) अब्दुल रहमान की एकमात्र कृति 'संदेश रासक' है, जिसकी रचना इन्होंने 12वीं तथा 13वीं शताब्दी के मध्य की थी।

76. महापंडित राहुल जी ने आदिकाल का किस नाम से नामकरण किया था ?

(A) सिद्ध-सामंत युग (B) वीरगाथा युग

(C) भक्ति-सामंत युग (D) उत्तरमध्य युग

76. (A) आदिकाल को 'सिद्ध सामंत युग' नाम 'राहुल सांकृत्यायन' ने दिया था।

77. पृथ्वीराज रासो कितने पृष्ठों का ग्रन्थ है ?

(A) दो हजार (B) दो हजार दो सौ

(C) ढाई हजार (D) एक हजार एक सौ

77. (C) 'पृथ्वीराज रासो' चन्दवरदायी द्वारा 'ढाई हजार' पृष्ठों में लिखा गया एक प्रसिद्ध महाकाव्य है।

निर्देश (प्रश्न सं. 78 से 80 तक)

नीचे लिखे पद्यांश को पढ़िये और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

घूम रहा है कैसा चक्र।
वह नवनीत कहाँ जाता है, रह जाता है तक
पिसे पड़े हो इसमें जब तक,
क्या अंतर आया है अब तक ?
सहें अंततोगत्वा कब तक-हम इसकी गति वक्र ?
घूम रहा है कैसा चक्र !

78. तक्र का अर्थ है–

(A) मट्ठा (B) घी

(C) दही (D) दूध

78. (C) दिए गए पद्यांश के अनुसार 'तक्र' का अर्थ 'दही' है।

79. शुद्ध वर्तनी वाला शब्द है–

(A) स्यामल (B) शास्त्रिय

(C) शसि (D) स्वर्णिम

79. (D) बर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द 'स्वर्णिम' होगा। स्वर्णिम का अर्थ है– सुनहरा या सोने के रंग का। अन्य विकल्पों की शुद्ध वर्तनी है– स्यामल-श्यामल, शास्त्रिय-शास्त्रीय, शसि-शशि।

80. पद्यांश में वक्र का आशय है–

(A) असफल (B) गोलाकार

(C) सरल (D) कुटिल

80. (D) दिए गए पद्यांश के अनुसार वक्र का अर्थ 'कुटिल' होगा।

निर्देश (प्रश्न सं. 81 से 85 तक)

नीचे लिखे गद्यांश को पढ़िये और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

मनोहरा देवी के कंठ से तुलसीदास का छंद 'कंदर्प' अगणित अमित छवि नवनीलनीरज 'सुन्दरम' सुनकर सुर्जकुमार के न जाने कौन से सोते संस्कार जाग उठे। साहित्य इतना सुन्दर है, संगीत इतना आकर्षक है, उनकी आँखों ने जैसे नया संसार देखा, कानों ने ऐसा संगीत सुना जो मानो इस पृथ्वी पर दूर किसी लोक से आता है। अपनी इस विलक्षण अनुभूति पर वह स्वयं चकित रह गए। अपने सौंदर्य पर जो अभिमान था। वह चूर-चूर हो गया।

81. सुर्जकुमार ने छंद किसके कंठ से सुना ?

(A) तुलसीदास (B) सूरदास

(C) सुर्जकुमार (D) मनोहरा देवी

81. (D) दिए गए गद्यांश के अनुसार सुर्जकुमार ने छंद मनोहरा देवी के कंठ से सुना, जिसको सुनकर उनके संस्कार जाग उठे।

82. सुर्जकुमार की आँखों ने देखा क्या ?
(A) पुराण संसार (B) नया संसार
(C) आकर्षक संगीत (D) साहित्य

82. (B) सुर्ज कुमार की आँखों ने नया संसार देखा। इन्होंने देखा कि साहित्य इतना सुन्दर है, संगीत इतना आकर्षक है।

83. सुर्जकुमार का संस्कार जाग उठने का कारण है–
(A) मनोहरदेवी का छंद
(B) तुलसीदास की कृति
(C) तुलसीदास का संगीत
(D) तुलसीदास का छंद

83. (D) दिए गए गद्यांश के अनुसार सुर्ज कुमार का संस्कार जाग उठने का कारण तुलसीदास का छंद है।

84. सुर्जकुमार को किस पर अभिमान था ?
(A) अपने सौंदर्य पर (B) अपने आदर्शों पर
(C) अपने संस्कार पर (D) अपने गुणों पर

84. (A) दिए गए गद्यांश के अनुसार सुर्ज कुमार को अपने सौन्दर्य पर अभिमान था।

85. अंततोगत्वा का अर्थ है–
(A) अंतिम अवसर (B) अंतिम यात्रा
(C) अंततः (D) अंतन

85. (C) अंततोगत्वा का अर्थ है– अंततः अर्थात् अंत में।

निर्देश (प्रश्न सं. 86 से 90 तक)

नीचे दिये गए पद्यांश को पढ़िये पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

देख रहा हूँ लम्बी खिड़की पर रखे पौधे
धूप की ओर बाहर झुके जा रहे हैं
हर साल की तरह गौरैया
अबकी भी कार्निस पर ला-लाके
धरने लगी है तिनके
हालांकि यह वह गौरैया नहीं
यह वह मकान भी नहीं
ये वे गमले भी नहीं
यह वह खिड़की भी नहीं
कितनी सही है मेरी पहचान इस धूप की।

86. कवि इसमें क्या कहना चाहता है ?
(A) कड़ी धूप के प्रकाश का अनुमान करता है
(B) धूप के प्रभाव को संवेदना के स्तर पर व्यंजित करना चाहता है
(C) धूप की पहचान करने के लिए परामर्श देता है
(D) पौधे, कार्निस, गौरैया के बारे में बताना चाहता है

86. (B) दिए गए पद्यांश के अनुसार कवि धूप के प्रभाव को संवेदना के स्तर पर व्यंजित करना चाहता है।

87. कार्निस का अर्थ है–
(A) आँगन (B) छज्जा
(C) दीवार (D) छत

87. (B) दिए गए पद्यांश के अनुसार कार्निस का अर्थ 'छज्जा' होता है। 'छज्जा' का आशय है– दीवार के ऊपरी भाग में सुंदरता के लिए बाहर की ओर निकाला हुआ थोड़ा-सा भाग।

88. कवि किस के सौंदर्य का अनुभव करता है ?
(A) धूप (B) गमले
(C) ऋतु (D) गौरेया

88. (A) दिए गए पद्यांश के अनुसार कवि धूप के सौन्दर्य का अनुभव करता है।

89. सुन्दर और आकर्षक क्या है ?
(A) अहंकार और अभिमान
(B) साहित्य और संगीत
(C) संस्कार और परंपरा
(D) संगीत और छंद

89. (B) साहित्य और संगीत सुन्दर और आकर्षक होते हैं, क्योंकि इनको पढ़कर व सुनकर व्यक्ति इनकी ओर आकर्षित होता है और आनंद का अनुभव करता है।

90. पद्यांश का उचित शीर्षक है–
(A) तिनके और पौधे (B) धूप
(C) गौरैया (D) पहचान

90. (B) दिए पद्यांश का उचित शीर्षक 'धूप' है।

91. हाल के वर्षों में एस.टी.ई.एम. को विश्वविद्यालयों और वित्त पोषण एजेंसियों से बहुत महत्व मिला है। इसका क्या अर्थ है ?
(A) शिक्षण, मूल्यांकन और परामर्श देने का कौशल
(B) विज्ञान, शिक्षण, मूल्यांकन और परामर्श
(C) विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित
(D) खेल, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और संगीत

91. (C) एस.टी.ई.एम. का अर्थ है विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित। अतः विकल्प (C) सही है।

92. निम्नलिखित में से किस विषय के शिक्षक को छात्रों को सूत्रों और समीकरणों को पढ़ने और समझने में सहायता करना और प्रशिक्षण देना आवश्यक है ?
(A) अंग्रेजी (B) जीवविज्ञान
(C) भूगोल (D) अंकशास्त्र

92. (D) अंक शास्त्र विषय के शिक्षक को छात्रों को सूत्रों और समीकरणों को पढ़ने और समझने में सहायता करना और प्रशिक्षण देना आवश्यक है।

93. छवियों और प्रतीकों के माध्यम में सीखना तकनीकी रूप से.....के अधीन वर्गीकृत है।
(A) संवेदी रूप से सीखने
(B) रट कर सीखने
(C) पक्षपात द्वारा सीखने
(D) संज्ञानात्मक रूप से सीखने

93. (A) छवियों और प्रतीकों के माध्यम से सीखना तकनीकी रूप से संवेदी रूप से सीखने के अधीन है।

94. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प गैर-औपचारिक शिक्षा प्रणाली के कार्य-क्षेत्र में नहीं आता है ?
(A) दूरस्थ– शिक्षण
(B) समावेशी विद्यालय
(C) मुक्ताकाशी विद्यालयीय शिक्षा
(D) पत्राचार द्वारा शिक्षण

94. (B) समावेशी विद्यालय गैर औपचारिक शिक्षा प्रणाली के कार्य क्षेत्र में नहीं आता है।

95. शैक्षणिक सामग्री ज्ञान की परिभाषा क्या है ?
(A) छात्रों को पढ़ने के लिए विषय ज्ञान का उपयोग करना।
(B) सभी छात्रों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए विभिन्न संसाधनों का संयोजन।
(C) विषय ज्ञान और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) को एकीकृत करना।
(D) विभिन्न शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप सामग्री और अध्यापन का मिश्रण।

95. (D) विभिन्न विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुरूप सामग्री और अध्यापन का मिश्रण शैक्षणिक सामग्री के अन्तर्गत आता है।

96. जब कलाकार अपने शरीर, चेहरे और उपस्थिति का माध्यम के रूप में उपयोग करता है, तो यह कौन-सा कला रूप कहलाता है ?
(A) दृश्य कला (B) मूर्तिकला
(C) प्रदर्शन कला (D) समकालीन कला

96. (C) जब कलाकर अपने शरीर चेहरे और उपस्थित का माध्यम के रूप में उपयोग करता है तो यह प्रदर्शन कला रूप कहलाता है।

97. सही विकल्प चुनें।
मनोविज्ञान प्रयोगशाला में दृश्य उद्दीपन दर्शी (टिकिस्टोस्कोप) का प्रयोग.....मापने के लिए किया जाता है।
(A) व्यवहार प्रतिरूपों को

(B) ध्यान अवधि

(C) बुद्धि–लब्धि (आई क्यू.) स्तर को

(D) स्मृति

97. (B) मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला में दृश्य उद्दीपन दर्शी का प्रयोग ध्यान अवधि मापने के लिए किया जाता है।

98. हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम किस वर्ष में पारित किया गया ?

(A) 2003 में (B) 2005 में

(C) 2006 में (D) 2002 में

98. (B) हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम सन् 2005 में पारित किया गया था इस विधेयक को पारित करने का मूल उद्देश्य हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1856 में निहित संपत्ति के अधिकार में लैंगिक भेदभाव को हटाना था।

99. समावेशी वातावरण स्थापित करने के लिए प्राथमिक कदम.....है।

(A) प्रवेश सीमित करना

(B) विविधता को अंगीकार करना

(C) चयन के लिए प्रवेश स्तर आकलन का संचालन करना

(D) एक विशाल भवन का निर्माण करना

99. (B) समावेशी वातावरण स्थापित करने के लिए प्राथमिक कदम विविधता को अंगीकार करना है। समावेशी शिक्षा का तात्पर्य सभी को समान रूप से शिक्षा देना है। दूसरे शब्दों में विशिष्ट आवश्यकता वाले बालकों को सामान्य बालकों के साथ शिक्षा देना।

100. सम्बन्ध और लैंगिकता तथा गृह अर्थशास्त्र किस प्रकार के पाठ्यक्रम के उदाहरण हो सकते हैं ?

(A) गुप्त पाठ्यक्रम (Hidden curriculum)

(B) अंतर्निहित पाठ्यक्रम (Implicit curriculum)

(C) सुस्पष्ट पाठ्यक्रम (Explicit curriculum)

(D) शून्य पाठ्यक्रम (Null curriculum)

100. (D) सम्बन्ध और लैंगिकता तथा गृह अर्थशास्त्र शून्य पाठ्यक्रम के उदाहरण हैं।

❑❑